हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 275 देहरादून, बुधवार, 26 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

हिमालय पुत्र हेमवती के सम्मान में नतमस्तक धामी सरकार

3

बाबा केदार में पहली पूजा पीएम मोदी के नाम से की गई : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ , 26 अप्रैल , ग्याहरवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ मंगलवार को सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिये गये हैं। श्री केदारनाथ में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई। रावल भीमाशंकर लिंग तथा पुजारी शिवलिंग एवं धर्माचार्यों द्वारा पूजा अर्चना की गई। कपाट खुलते समय सेना के बैंड तथा भजन कीर्तन एवं जय श्री केदार के उदघोष से केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ में पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। सभी देश एवं प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की उन्होंने बाबा केदार से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत भी किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मुख्य सेवक द्वारा आयोजित भंडारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये गये हैं। समाजिक संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं का भी यात्रा के लिए पूरा सहयोग मिल रहा है। पिछले वर्षों के अनुभवों के आधार पर यात्रा व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। उन्होंने बाबा केदार के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि मौसम की जानकारी लेकर बाबा केदार के दर्शन लिए आयें, ताकि किसी को भी मौसम की वजह से कोई असुविधा न हो। गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। 27 अप्रैल को भगवान बद्री विशाल के कपाट भी श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुल जायेंगे।

इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, विधायक केदारनाथ शैला रानी रावत , जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह , जिला अध्यक्ष भाजपा सिंह महावीर पंवार, पूर्व अध्यक्ष भाजपा दिनेश उनियाल, जिलाधिकारी मयूर दिक्षित , पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे, मुख्य कार्याधिकारी केदारनाथ योगेंद्र सिंह एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

गोल्ज्यू देवता के दरबार पहुंची धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा , 26 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा भ्रमण के दौरान न्याय के देवता गोल्ज्यू देवता मंदिर (चितई) में पहुंचकर पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि की मंगल कामनाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भगवान केदारनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल गए हैं। उन्होंने चार धाम यात्रा के सफल एवं निर्विध्न रूप से संचालन हेतु न्याय प्रिय देवता गोल्ज्यू देवता से प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने राज्य की उन्नति एवं समृद्धि के लिए मंदिर में घंटी एवं पत्र भी चढ़ाया।इस दौरान सांसद अजय टम्टा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष बीजेपी कैलाश शर्मा, डीसीबी चेयरमैन ललित लटवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रवि रौतेला समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, जिलाधिकारी वंदना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रचिता जुयाल, उपजिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान समेत अन्य उपस्थित रहे।

खुले केदार के द्वार, लगे बम बम के जयकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ , 26 अप्रैल , विश्व प्रसिद्ध धाम केदारनाथ के कपाट आगामी छह महीने के लिए भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। इस अवसर पर दस हजार से अधिक भक्त मौजूद थे। मौसम खराब होने की वजह से सीएण पुष्कर सिंह धामी वहां नहीं पहुंच सके। सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर खुले कपाट पौराणिक परंपरा के अनुसार मंगलवार सुबह 6:15 मिनट पर मंदिर के मुख्य कपाट खोल दिए गए। इससे पूर्व सुबह तड़के केदार बाबा की पंचमुखी मूर्ति का श्रंगार किया गया, भोग लगाया गया व पूजा अर्चना की गई।इसके पश्चात पंचमुखी डोली को मंदिर परिसर में लाया गया, सील बंद कपाट को प्रशासन मंदिर समिति की मौजूदगी में खोल दिए गए। और भोले बाबा अपने धाम में विराजमान हो गए। कपाट खोलते ही केदारनाथ धाम भोले बाबा की जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर केदारनाथ धाम में बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

उधर, बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को सुबह 6:10 बजे खोले जाएंगे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे धाम में कैंप किए हुए हैं। मौसम के मिजाज के चलते केदारनाथ यात्रा में चुनौतियां कम नहीं हैं। यहां मौसम आए दिन करवट बदल रहा है। कपाटोद्घाटन का साक्षी बनने के लिए सात हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ पहुंच चुके हैं। कपाट खुलने के साथ ही मंगलवार सुबह से केदारनाथ के लिए हेली सेवा शुरू हो जाएगी। नौ एविएशन कंपनी केदारघाटी में जाखधार, शेरसी, फाटा, नारायणकोटि, जामू और सोनप्रयाग से हेली सेवा का संचालन करेंगी। सोमवार को विभिन्न हेलीपैड से धाम के लिए ट्रायल उड़ान भरी गईं। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने यात्रियों की सहायता के लिए पांच पड़ाव बनाए हैं। ये पड़ाव केदारनाथ, लिनचौली, सोनप्रयाग, अगस्त्यमुनि और रतूड़ा में बनाए गए हैं। हर पड़ाव में दो-दो दल तैनात किए गए हैं। ये दल एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव के बीच गश्त भी करेंगे।

चीन चांद की मिट्टी से बनाएगा ईंट, जानिए पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां चांद पर सैटेलाइट भेज रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टिमिस मिशन को लेकर कई उड़ानें भविष्य के लिए प्रस्तावित की हैं। वहीं, चीन भी चांद पर एक के बाद एक मिशन भेज रहा है। दरअल, चीन दूसरे देशों के मुकाबले दो कदम आगे चल रहा है। रिपोर्ट्स की मानें,तो चीन पृथ्वी से दूर चंद्रमा पर अपना परमानेंट बेस बनाने की कोशिशों में जुटा है। इसके लिए वह ऐसी ईंटों की टेस्टिंग करने वाला है, जो चांद की मिट्टी की बनी होंगी। चाइना साइंस डेली की रिपोर्ट के अनुसा चीन के वुहान में हुए एक सम्मेलन में वैज्ञानिकों ने पुष्टि की कि वो चंद्रमा की सतह पर मिलने वाले मटीरियल का इस्तेमाल कर 3D प्रिंटिंग ईंटों बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

2028 में चंद्रमा पर लैंड करेगा Chang'e 8

रिपोर्टों के अनुसार Chang'e 8 मिशन के दौरान इस दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं। यह मिशन साल 2028 के आसपास चंद्रमा पर लैंड कर सकता है। इस मिशन की मदद से चीन चांद की सतह पर मौजूद मिट्टी आदि का परीक्षण कर सकता है। इस दौरान यह टेस्टिंग भी की जा सकती है कि चांद की मिट्टी वहां परमानेंट बेस बनाने के लिए कितनी उपयोगी हो सकती है। जानकारी के मुताबिक हुजहोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (Huazhong University of Science and Technology) के एक साइंटिस्ट 'डिंग लियुन' ने एक ऐसे रोबोट प्रोटोटाइप को पेश किया है, जिसके 6 पैर हैं। कहा जा रहा है कि यह रोबोट प्रिंटेड ईंटों को एक साथ रख सकता है।

2030 में ILRS के निर्माण की योजना

ऐसे में अगर यह तकनीक काम करती है तो चीन के लिए इंटरनेशनल लूनार रिसर्च स्टेशन (International Lunar Research Station) बनाने की राह आसान हो जाएगी। बता दें कि चीन 2030 के दशक में ILRS के निर्माण की योजन बना रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस विषय पर चीन में पहली बार कोई सम्मेलन हुआ है। इस सम्मेलन के दौरान इस बात पर चर्चा की गई कि चांद पर इंसान के लिए परमानेंट बेस किस तरह तैयार किया जाए ?

अन्य देश भी कर रहे हैं ईटे बनाने का काम

बता दें कि चीन के अलावा अन्य कई देश चांद पर इसी तरह के मिशन पर काम कर रहे हैं। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (European Space Agency) भी ऐसी ईटें बनाने पर काम कर रही है, जिनको पृथ्वी के बाहर इस्तेमाल किया जा सके।

क्या लड़के मैथ्स में लड़कियों से ज्यादा तेज होते हैं !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , अगर आपको भी लगता है कि लड़के मैथ्स विषय में लड़कियों से बेहतर होते हैं तो ये गलतफहमी दूर कर लीजिए. ताजा रिपोर्ट मे खुलासा हुआ है कि लड़कियां ज्यादा अच्छा परफॉर्म कर रही हैं. एक आम धारणा है कि लड़के गणित विषय में लड़कियों से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करते हैं. जब सवाल हल करने की बारी आती है तो उनकी मैथ्स ज्यादा अच्छी होती है. हालांकि अब इस धारणा को बदलने का टाइम आ गया है. हाल ही में आयी एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि अब ये क्रम उल्टा हो गया है और लड़कियां, लड़कों से कही अच्छा परफॉर्म कर रही हैं. यूनीसेफ ने इस धारणा को उल्टा कर दिया है और बताया है कि ताजा डाटा ये बताता है कि अब लड़कियां ज्यादा बेहतर तरीके से सवाल हल कर रही हैं.एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूनिसेफ ने जो डेटा शेयर किया है उसके मुताबिक लड़कियों ने मैथ्स में ज्यादा अच्छा परफॉर्म किया है. ये रिपोर्ट 83 देशों

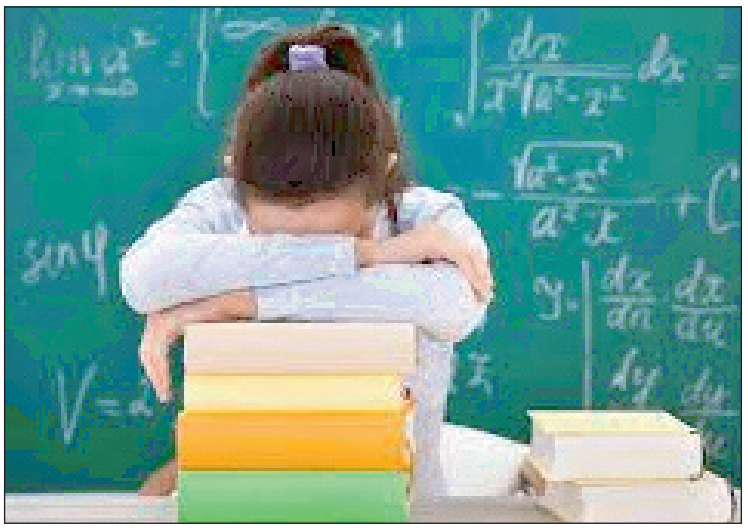

की स्टडी पर आधारित है. यंग लड़के-लड़कियों पर किए गए इस अध्ययन में ये सामने आया कि 34 देशों में लड़कों ने मैथ्स में अच्छा परफॉर्म किया जबकि 38 देशों में लड़कियों ने मैथ्स में लड़कों से कहीं ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया. करीब 11 देशों में दोनों जेंडर के बीच चुनाव नहीं किया जा सका.रीडिंग में लड़कियां बेहतरजहां मैथ्स में अच्छा परफॉर्म करके लड़कियों ने आम धारणा तोड़ी वहीं रीडिंग के मामले में बनी दूसरी धारणा को बल मिला. रीडिंग के लिए ये माना जाता है कि लड़कियां ज्यादा अच्छा करती हैं और स्टडी में ये बात फिर से प्रूफ हुई. 82 देशों की इस स्टडी में फिर साबित हुआ कि लड़कियां रीडिंग में बेहतर हैं क्योंकि 81 देशों में लड़कियों का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा था.उन दस देशों में जहां लड़कों ने मैथ्स में लड़कियों से अच्छा परफॉर्म किया उनमें स्विट्जरलैंड सबसे ऊपर है. हालांकि यहां भी जीत का अंतर न के बराबर रहा. लड़कों का स्कोर 84 था और लड़कियों का 83. मोटे तौर पर कहा जाए तो ये अंतर गिनने योग्य भी नहीं है. दस में से 6 जगहों पर लड़कियों ने लड़कों से अच्छा प्रदर्शन किया जबकि तीन जगहों पर वे लड़कों के बराबर रहीं.

ज्ञान वायरस : Digital Currency क्या है ? ये है पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , वो दिन दूर नहीं जब हम ये नहीं कह पाएंगे की आज जेब मे पैसे नहीं है जी हाँ दोस्तों क्यूंकी अब आपको जेब मे पैसे रखने की जरूरत नहीं होगी क्यूंकि अब जमाना आ चुका है Digital Currency का यही वो पैसे जो पूरी तरह डिजिटल होगा और आप लाखो रुपए के Digital Currency लेकर घूम पाएंगे लेकिन अपने जेब मे नहीं बल्कि एक खास तरीकों से , तो आइये जानते है भारत मे Launch हुई Digital Currency, Digital Rupee के बारे मे ,Digital Rupee क्या है और कैसे काम करता है ?विश्व मे हर देश की मुद्रा यानि करेंसी अलग अलग होती है जैसे भारत की मुद्रा है रुपये या पैसे और अगर आप कुछ देश जैसे अमेरिका , सऊदी अरब जाएंगे तो वहाँ की मुद्रा क्रमशः डॉलर (Dollar), रियाल (Riyal) कहलाती है , लेकिन आज हम बात करेंगे भारत की Digital Rupee के बारे मे ।

Digital Currency क्या है ?

जब हम किसी वस्तु के खरीद बिक्री के लिए Online transaction का प्रयोग करके पैसे का आदान प्रदान करते है तो वे पैसे Digital Currency कहलाता है । E- Wallet मे दिख रहे पैसे जिसे हम Online Transaction के

लिए प्रयोग कर सकते है उसे अपने जेब मे नहीं रख सकते ,ये E-वैलट Digital Currency का ही एक उदाहरण है ,ये Transaction एक Blockchain तकनीक के तहत होती है । दुनिया के 9 देशों में अब तक डिजिटल करेंसी लॉन्च हो चुकी है और दुनिया के कई अन्य देश भी इसे लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं.

Digital Rupee क्या है ?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का खास उपयोग के लिए Digital Rupee (E-Rupee) का लॉन्च करने जा रहा है ये Digital Currency का ही एक रूप है जिसे Digital Rupee नाम दिया गया है हालांकि ये 1 November को ही जारी कर दिया गया था लेकिन वह Wholesale Based था और अब इसे Retail based पर जारी किया जा रहा है जो 1 दिसंबर 2022 से सम्पूर्ण रूप से जारी कर दिया जाएगा । दूसरे शब्दों मे कहें तो ये CBDC (Central Bank Digital Currency) द्वारा जारी किए गए मुद्रा नोटों का एक डिजिटल रूप है ।

कैसे काम करेगी Digital Rupee

ये अन्य Digital Currency के तरह ही Digital Format मे होगी जिसे हम अपने Mobile के जरिये आसानी से लेनदेन कर पाएंगे वो भी बिना किसी बैंक खाते के और Digital rupee की सबसे खास बात ये होगी इसे आप Cash मे बदल पाएंगे , बस ये आपके Mobile मे एक E -Wallet मे स्टोर रहेगी जिसे आप जब चाहे अपने Bank Account मे transfer कर उसे Cash मे बदल पाएगे । अगर आप UPI(Unique Payment Interface) यानि PhonePe,Paytm ,Google Pay से बैंक अकाउंट के बजाय Digital Currency में भुगतान करते हैं इसमें पेमेंट्स से लागत भी कम आएगी।

हिमालय पुत्र हेमवती के सम्मान में नतमस्तक धामी सरकार

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व.हेमवती नन्दन बहुगुणा की जयन्ती पर किया भावपूर्ण स्मरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा , 26 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोडा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की 104वीं जयंती के अवसर पर जनसेवा आधारित बहुद्देशीय शिविर एवं कृषक महोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 256.75 करोड की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। जिसमें 217.75 करोड की योजनाओं का शिलान्यास तथा 39 करोड की योजनाओं का लोकार्पण सामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा का स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद देश को और विशेष रूप से अविभाजित उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने में उनका अमूल्य योगदान रहा। उन्होंने अपनी विलक्षण बौद्धिक प्रतिभा के बल पर भारतीय राजनीति में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनायी। अपने राजनैतिक जीवन में स्वर्गीय बहुगुणा जी ने यूपी के मुख्यमंत्री तथा केन्द्र में मंत्री रहते हुए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की। वे पहाड़ के ऐसे महान नेता थे जिन्होंने तमाम संवैधानिक पदों पर रहते हुए भी उत्तराखण्ड के विकास और उत्तराखंडियों के हित के लिए अनेक कदम उठाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय बहुगुणा जी ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के कई दशकों तक भारत की राजनीति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा का पहाड़ और उत्तराखंड के प्रति अतुलनीय स्नेह था। पहाड़ो के विकास के लिये एक सपना था, एक चिन्तन था। स्व. बहुगुणा ने पहाड़ के विकास के लिए जो सपना देखा था उस सपने को पूर्ण करने के लिये हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज अभूतपूर्व रूप से भारत का सांस्कृतिक उत्थान हो रहा है। सनातन संस्कृति का परचम विश्व में लहरा रहा है और हमारी आस्था के केन्द्रों का इतिहास और महत्व उसी गौरव के साथ प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसके साथ इसे किया जाना चाहिए था।चाहे श्री राम मंदिर का निर्माण हो, बाबा विश्वनाथ मंदिर का अविस्मरणीय पुनरुद्धार हो, केदारपुरी व बद्रीनाथ पुरी का पुनर्निर्माण व सौन्दर्यीकरण हो या हाल ही में राष्ट्र को समर्पित श्री महाकाल लोक हो। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की अस्मिता के प्रतीकों व सांस्कृतिक धार्मिक- धरोहरों को जिस प्रकार से संरक्षित व संवर्धित किया जा रहा है उसकी शब्दों में व्याख्या संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन बहुत शुभ है क्योंकि आज भगवान केदार के कपाट खुल गए हैं। 2013 की आपदा से क्षतिग्रस्त केदारपुरी का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कायाकल्प हुआ है अब हम सबके सामने दिव्य एवं भव्य केदारनाथ मंदिर मौजूद है। यही नही बद्रीनाथ का मास्टर प्लान के तहत विकास हो रहा है। केदारनाथ धाम में रोपवे का भी निर्माण किया जा रहा है। मानसखंड में आने वाले सभी मंदिरों का भी विकास किया जा रहा है, उसका मास्टर प्लान तैयार हो गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति कार्य कर रही है तथा राज्य में इस ड्राफ्ट के तहत कार्य होगा। राज्य में धर्मांतरण को लेकर सख्त कानून बनाया है। नकल विरोधी कानून बनाकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया है। युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार गंभीर है। नई खेलनीति युवाओं के लिए नए अवसर लाएगी। पर्यटन, उद्योग, सौर ऊर्जा के लिए नई नीति लाई जाएगी। स्वरोजगार को भी प्रोत्साहन देने के लिए नई पोलीहाउस योजना लागू की गयी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के आश्रितों एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य वालों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर जिन जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया है उन योजनाओं के पूर्ण होने पर इस क्षेत्र में विकास के एक नए युग का सूत्रपात होगा। क्योंकि ये सभी योजनाएं स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और सिंचाई की क्षमता के विकास सहित अन्य जनोपयोगी तथा जनहितकारी क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने सभी को विश्वास दिलाया कि जब तक हमारी सरकार उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" को पूर्ण नहीं कर लेगी तब तक चैन से नहीं बैठेगी। उत्तराखण्ड के समग्र विकास में हम प्राण प्रण से जुटे रहेंगे। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का भी निरिक्षण किया। स्टॉलों के माध्यम से लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस बहुउद्देशीय शिविर में आधार केंद्र, चिकित्सा, कृषि, उद्यान, उद्योग, बाल विकास, सहकारिता, समाज कल्याण समेत अन्य विभागों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कृषि विभाग के किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा किसान महोत्सव का उद्घाटन भी किया। इस शिविर के माध्यम से कृषि विभाग ने किसानों को 40 छोटे एवं 8 बड़े कृषि यंत्र भी प्रदान किए। 4 किसानों को उत्कृष्ठ कार्य हेतु पुरस्कृत किया। 25 आवेदन पीएम किसान सम्मान निधि के प्राप्त किए। 42 लोगों का पीएम किसान सम्मान निधि प्रकरण का निस्तारण किया गया। होम्योपैथी विभाग ने 130 लोगों की स्वास्थ्य जांच की तथा उनको औषधि वितरित की ।समाज कल्याण विभाग के माध्यम से 8 लोगों के यूडीआईडी कार्ड बनाए गए। 3 लोगों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, तथा कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, चंदन रामदास, सौरभ बहुगुणा, सुबोध उनियाल, सांसद अजय टम्टा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्व बहुगुणा जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

टीम सिद्धार्थ करेगी मन की बात का ऐतिहासिक आयोजन, घर-घर पहुँचने का लक्ष्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अप्रैल , भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय देहरादून में मन की बात हेतु 100वें संस्करण की महानगर के सभी मोर्चों की बैठक आहुत की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल नें की। अध्यक्ष नें अपने मोर्चों समस्त कार्यकर्ताओं को आवाहन करते हुये कहा की प्रत्येक बूथों पर प्रभात फेरी का आयोजन व कॉलेजों व सरकारी संस्थाओं मन्दिर, गुरूद्वारों एवं सामाजिक संस्थाओं, हाऊसिंग सोसाईटी, कालोनीयों में संम्पर्क होना चाहिये ताकि प्रत्येक व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात को सुना जा सके। यह हमारे पार्टी एवं संगठन की नैतिक जिम्मेदारी बनती है तथा आगामी 30 अप्रैल को होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात का कार्यकर्म महानगर में प्रत्येक बूथ पर प्रत्येक शक्तिकेन्द्रों पर ऐतिहासिक कार्यक्रम होना चाहिए।

बैठक में आये हुए मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी नें अपने वक्तव्य में कहा है कि हम उस देश के नागरिक है जिसके प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात का कार्यक्रम आज पूरा विश्व देखता है तथा यह कार्यक्रम गिनीज बुक रिकॉर्ड में भी इस बार अंकित होने जा रहा है यह हमारे देश के लिये गर्व की बात है। पीएम मोदी नें बिना भेद भाव के सभी जाति वर्ग विशेष के लिये कार्य कर रहे हैं, हमें भी उसी प्रकार उनका पूर्ण सहयोग करना चाहिये। किसी भी कार्यक्रम को करनें के लिये कार्यक्रम की पूर्व योजना से पूर्ण योजना तक बनानी चाहिये तभी महानगर के 919 बूथों पर यह कार्यक्रम सफल हो पायेगा। 60 और 40 प्रतिशत का रेशो ले करके इस कार्यक्रम की योजना रचना बनानी है 60 प्रतिशत अन्य व 40 प्रतिशत पार्टी के कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी चाहे निमंत्रण पत्र देना हो, प्रभात फेरी करनी हो, डारे टू डोर जाना हो, बैनर होल्डींग दीवाल लेखन करना हो, इसकी पूर्ण योजना बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाना है। इस कार्यक्रम का संचालन महानगर महामंत्री विजेन्द्र थपलियाल द्वारा किया गया। जिसमें में की मन की बात राजपुर विधानसभा के प्रभारी उमा नरेश तिवारी, धर्मपुर विधानसभा संदीप मुखर्जी, रायपुर विधानसभा विमल उनियाल, कैन्ट विधानसभा गोविन्द मोहन व कार्यक्रम में महानगर पदाधिकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ढिल्लों, रतन सिंह चौहान, सुनील शर्मा, संतोष सेमवाल, संध्या थापा, महानगर मंत्री राजेश काम्बोज, देवेन्द्र पाल मोन्टी, संकेत नौटियाल, महानगर कोषाध्यक्ष मोहित शर्मा, महानगर सोशल मीडिया प्रभारी आशीष शर्मा, आरनोल्ड, विपिन खण्डूरी, सूरज चन्द, मोर्चा महानगर अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बिष्ट, महिला मोर्चा श्रीमती अर्चना बागडी, ओबीसी मोर्चा, राकेश आर्य, अल्पसंख्यक मोर्चा श्रीमती यासमीन आलम खान, अनुसूचित मोर्चा विशाल कुमार, अनुसूचित जनजाति मोर्चा बलदेव नेगी, किसान मोर्चा प्रदीप दुग्गल आदि सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेहत के लिए 'जादू की छड़ी' है लहसुन, जानें इसके सभी गुण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , लहसुन का उपयोग सदियों से इसके स्वाद और औषधीय गुणों दोनों के लिए किया जाता रहा है. यह एलियम परिवार का सदस्य है, जिसमें प्याज, छोटे प्याज़ और लीक भी शामिल हैं. दुनिया भर में कई व्यंजनों में लहसुन का उपयोग किया जाता है. रसोई में एक लोकप्रिय सामग्री होने के अलावा, लहसुन अपने कई स्वास्थ्य लाभों के लिए भी व्यापक रूप से जाना जाता है. एक अध्ययन के अनुसार दैनिक आहार में लहसुन को शामिल करने के कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं. इम्यून सिस्टम, पाचन, गैस की समस्या से लेकर कैंसर और ब्रेन फंक्शन तक के लिए लहसुन लाभदायक है. तो अगर आप भी लहसुन के सभी गुणों को जानना चाहते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है.

इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है

लहसुन विटामिन सी का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है. विटामिन सी सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने में मदद करता है, जो संक्रमण और बीमारियों से लड़ने के लिए जिम्मेदार होते हैं. लहसुन में एलिसिन नामक यौगिक भी होता है, जिसमें जीवाणुरोधी, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं. अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से लहसुन का सेवन करने से फ्लू और सामान्य सर्दी जैसी सामान्य बीमारियों की आवृत्ति और गंभीरता को कम करने में मदद मिलती है.

कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ा सकता है. लहसुन को कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में प्रभावी दिखाया गया है, विशेष रूप से एलडीएल (कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल, जो ख़राबर कोलेस्ट्रॉल है. लहसुन में ऐसे यौगिक होते हैं जो लिवर में कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन को रोकते हैं, जिससे रक्तप्रवाह में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम हो जाती है. अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से लहसुन का सेवन करने से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आ सकती है.

दिल की सेहत में सुधार

कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के अलावा, लहसुन के हृदय स्वास्थ्य के लिए कई अन्य लाभ हैं. लहसुन रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है, जो हृदय रोग और स्ट्रोक के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है. लहसुन में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करते हैं, जिससे रक्त का प्रवाह आसान हो जाता है. इससे हृदय पर दबाव कम होता है, जिससे रक्तचाप कम होता है. लहसुन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो धमनियों में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं, हृदय रोग के जोखिम को कम कर सकते हैं.

कैंसर से बचाव

लहसुन में कई यौगिक होते हैं जिनमें कैंसर रोधी गुण पाए जाते हैं. ये यौगिक कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को रोकने में मदद कर सकते हैं, जिससे कोलन, पेट और प्रोस्टेट कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर का खतरा कम हो जाता है. अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से लहसुन का सेवन कैंसर के खतरे को कम करने में मदद करता है.

ब्रेन फंक्शन को बढ़ाता है

लहसुन में ऐसे यौगिक होते हैं जो मस्तिष्क की कार्यक्षमता में सुधार करते हैं और उम्र से संबंधित संज्ञानात्मक गिरावट (cognitive decline) के जोखिम को कम करते हैं. लहसुन में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करते हैं, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है और संज्ञानात्मक गिरावट का कारण बन सकता है. लहसुन को जानवरों और मनुष्यों दोनों में याददाश्त और सीखने की क्षमता में सुधार करने के लिए भी दिखाया गया है.

पाचन के लिए लाभदायक

पाचन स्वास्थ्य के लिए लहसुन के कई लाभ पाए गए हैं. लहसुन में ऐसे यौगिक होते हैं जो पाचन एंज़ाइमों के उत्पादन को उत्तेजित करने में मदद करते हैं, भोजन के पाचन में सुधार करते हैं. लहसुन में प्रीबायोटिक गुण भी होते हैं, जिसका अर्थ है कि यह आंत में लाभकारी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है. यह आंतों के स्वास्थ्य में सुधार करने और पाचन विकारों जैसे इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) और सूजन आंत्र रोग (आईबीडी) के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है.

87 साल की महिला के कैंसर का सफल इलाज कर इन्दिरेश अस्पताल ने रचा इतिहास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अप्रैल , कैंसर का सही इलाज कराने में उम्र बाधा नहीं बननी चाहिए। इस संदेश को हाल ही में श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में एक 87 वर्षीय महिला की सफल सर्जरी से बल मिला है, जो अपने दोनों स्तनों में कैंसर से पीड़ित थी। इस प्रेरक उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि सही दृष्टिकोण और देखभाल से वृद्धावस्था में भी कैंसर का इलाज सफल हो सकता है।अस्पताल के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. पंकज गर्ग के अनुसार, कैंसर के इलाज के लिए केवल उम्र ही बाधा नहीं होनी चाहिए। लोगों की उम्र के रूप में, वे अन्य स्वास्थ्य मुद्दों को विकसित करते हैं, जो कैंसर के उपचार को जटिल बना सकते हैं। हालांकि, सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं के साथ, वृद्ध रोगी कैंसर के उपचार को सहन कर सकते हैं और अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।87 वर्षीय महिला, जिसे द्विपक्षीय स्तन कैंसर था, ने डॉ. गर्ग और उनकी टीम की मदद से अपने दोनों स्तनों को सफलतापूर्वक हटा दिया। अपनी उम्र के बावजूद, वह बीमारी से लड़ने के लिए दृढ़ थी और बिना किसी जटिलता के सर्जरी की गई। उनका सकारात्मक रवैया और इलाज कराने की इच्छा सभी के लिए प्रेरणा का काम करती है।डॉ. गर्ग इस बात पर जोर देते हैं कि वृद्ध रोगियों को केवल उनकी उम्र के आधार पर कैंसर के उपचार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि, सबसे उपयुक्त उपचार का निर्णय लेने से पहले किसी भी सहरुग्णता सहित रोगी की स्वास्थ्य स्थिति का व्यापक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, व्यक्तिगत देखभाल, जैसे कि जराचिकित्सक की भागीदारी, उपचार के परिणामों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकती है।87 वर्षीय महिला का सफल इलाज इस बात की याद दिलाता है कि कैंसर उम्र के आधार पर भेदभाव नहीं करता है और सही इलाज पाने में उम्र को बाधा नहीं बनना चाहिए।

सही दृष्टिकोण और देखभाल के साथ, वृद्ध रोगी कैंसर के उपचार को सहन कर सकते हैं और इससे लाभान्वित हो सकते हैं। यह जराचिकित्सा ऑन्कोलॉजी में अधिक शोध के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम करना चाहिए और वृद्ध वयस्कों के लिए कैंसर देखभाल तक पहुंच में सुधार करना चाहिए।

पौड़ी के इन जिलों में बाघ का आतंक, 26 तक फिर सभी स्कूल बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 26 अप्रैल : गढ़वाल जिले के कई क्षेत्र बाघ के आतंक से जूझ रहे हैं। हाल ये है कि कई जगह नाइट कर्फ्यू लगाना पड़ा है। इतना ही नहीं बाघ प्रभावित क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल बंद कर दिए गए हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों की छुट्टी बढ़ा दी गई है।

संबंधित क्षेत्रों में आगामी 26 अप्रैल तक शिक्षण केंद्र नहीं खुलेंगे। जिलाधिकारी के निर्देश पर रिखणीखाल व धुमाकोट के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 26 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया गया है। तहसील रिखणीखाल के ग्राम डल्ला पट्टी पैनो-चार, मेलधार, क्वीराली, तोल्यूं, गाडियूं, जुई, कांडा, कोटडी और तहसील धुमाकोट में ग्राम ख्यूणांई तल्ली, ख्यूणांई मल्ली, ख्यूणांई बिचली, उम्टा, सिमली मल्ली, चमाड़ा, सिमली तल्ली, घोडकन्द मल्ला, घोडकन्द तल्ला, कांडी तल्ली, कांडी मल्ली, मन्दियार गांव, खड़ेत, गूम, बेलम क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र 26 अप्रैल तक बंद रहेंगे। ऐसा करने की नौबत क्यों आई, ये भी बताते हैं।दरअसल 13 व 15 अप्रैल को बाघ ने रिखणीखाल और धुमाकोट में दो ग्रामीणों को अपना निवाला बना लिया था। तब से वन विभाग की टीम यहां डेरा डाले हुए है। 17 अप्रैल को डीएम भी इलाके में पहुंचे और लोगों से बातचीत की। उस वक्त डीएम डॉ. आशीष चौहान ने बाघ प्रभावित इलाकों में 18 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया था। बाद में इसे बढ़ाकर 21 अप्रैल कर दिया गया। अब अवकाश को 26 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पौड़ी के डीएम डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि प्रभावित इलाकों में बाघ की सक्रियता देखी जा रही है। वन विभाग और प्रशासन की टीम प्रयासों में जुटी हुई है, लेकिन जब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगती, तब तक हमें सावधान रहना होगा। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील की।

क्यों नहीं पहने जाने चाहिए मृत व्यक्ति के कपडे, ये है मान्यता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , हिन्दू धर्म के अंतर्गत पुनर्जन्म का विधान है... यह माना जाता है जब कोई आत्मा अपना शरीर त्याग देती है तब वह नए शरीर में नया जन्म लेती है, लेकिन इसके लिए सबसे पहली शर्त है उसका शरीर से मुक्त होना। अगर वह उस शरीर से मुक्त ही ना हो पाए तो? अगर वह मृत्यु के बाद भी अपने परिवार से मोह का त्याग ना कर पाए तो? अगर किसी एक डोर से बंधकर वह अपने परिवार के बीच ही रह जाए तो?सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं "मृत्यु.... यह एक बेहद धीमी प्रक्रिया है, जिस तरह जन्म एक क्षण में नहीं होता, गर्भस्थ शिशु को इस दुनिया में आने के लिए एक लंबा इंतजार करना पड़ता है... कुछ ऐसे ही मृत्यु के साथ भी है। मेडिकली डेड व्यक्ति भी उसी क्षण नहीं अपने प्राण त्याग देता, बल्कि उसके शरीर में अभी भी कुछ सांसें शेष रह जाती हैं... वह शायद अभी भी जन्म और मरण के चक्र के बीच एक जंग लड़ रहा होता है। वह शायद अभी भी मौत को हराने की कोशिश कर रहा होता है.. लेकिन जब वह जीवन की इस जंग में हार जाता है, जब एक बार आत्मा शरीर को त्याग देती है, तब परिवार के लोगों को उस शरीर से जुड़े वस्त्रों और अन्य नजदीकी चीजों को या तो जला देना चाहिए या फिर उन्हें दान दे देना चाहिए.....उनका उपयोग खुद बिल्कुल नहीं करना चाहिए... क्योंकि यह आत्मा को कभी मुक्त नहीं होने देता.. आत्मा उन वस्त्रों के उपयोग के कारण यह समझ नहीं पाती कि उसे अब इस धरती से चले जाना है। वह मृत्युलोक को छोड़कर जाना चाहती है लेकिन एक बंधन में बंधकर रह जाती है... वह अपने कपड़ों की गंध से अपने परिवार और अपने घर को पहचानती है। इसलिए जब किसी योगी को अपनी मृत्यु का अंदेशा लग जाता है तब वह अपनी पूरी कुटिया को ही जलाकर भस्म कर देता है... क्योंकि वह ये नहीं चाहता कि उसके शरीर का एक भी अंश या उसके द्वारा प्रयोग की हुई कोई भी वस्तु वहां मौजूद रहे... क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो वह कभी जीवन-मरण के चक्र से मुक्त नहीं हो पाएगा।हालांकि इस बाबत एक अन्य विचारधारा भी है जो कुछ तक आपको प्रैक्टिकल लग सकती है। दरअसल मृत्यु से कुछ समय पहले से ही व्यक्ति की इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। इतना ही नहीं अगर किसी व्यक्ति का देहांत किसी बीमारी की वजह से हुआ है तब भी यह बहुत हद तक संभव है कि उन वस्त्रों में कोई बैक्टीरिया या माइक्रो ऑरगैनिज्म रह गए हों, जिन्हें नग्न आंखों से देख पाना लगभग असंभव है। जो व्यक्ति उन कपड़ों को धारण करता है मुमकिन है ये बैक्टीरिया उसके शरीर तक पहुंच जाएं इसलिए काफी हद तक सही यही है कि मृत व्यक्ति के कपड़ों का पुनः उपयोग ना किया जाए।

एसीआर लिखने की पुरानी परिपाटी लागू हो : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अप्रैल , प्रदेश में मंत्रियों की ओर से अपने अधीनस्थ विभागीय सचिवों की एसीआर वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखने के मामले में प्रदेश के सबसे दिग्गज मंत्री ने एक बार फिर हुंकार भरी है। विभागों की लम्बी फेरहिस्त और राजनीती में रखने वाले आक्रामक अंदाज़ में नाफ़रमान और सुस्त अधिकारीयों की खुल्लमखुल्ला क्लास लगाने वाले और धर्म आस्था और सद्भावना की सीख देने वाले कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के तेवर किसी बड़ी नाराज़गी का इशारा कर रही है। प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति जैसे विभागों की कमान सम्हाल रहे मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि राज्य की अधिकांश जनता चाहती है कि अन्य राज्यों की भांति यहां भी मंत्रियों को अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट पर अपना मंतव्य अंकित करने का अधिकार मिले ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता के साथ साथ सही प्रकार से विभागों की समीक्षा की जा सके।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जारी अपने एक बयान में कहा कि जब अन्य राज्यों में मंत्रियों को अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट पर अपना मंतव्य अंकित करने का अधिकार है और उत्तराखंड में भी पूर्वर्ती एनडी तिवारी सरकार में मंत्रियों को अधिकारियों की एसीआर लिखने का अधिकार था तो इस परिपाटी को पुनः लागू करने में किसी को क्या परेशानी हो सकती है।

सभी मंत्री अपनी सहमति व्यक्त कर चुके हैं - महाराज

महाराज ने कहा कि हमने पंचायती राज विभाग में ब्लाक प्रमुख को खंड विकास अधिकारी की और जिला पंचायत अध्यक्ष को सीडीओ की एसीआर लिखने के पूर्व में हुए शासनादेश को भी पुनः लागू किया ताकि पंचायतों में होने वाले विकास कार्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने के साथ-साथ गुणवत्ता युक्त कार्य किए जा सकें। इसलिए मेरा कहना है कि जो परिपाटी पूर्व में रही है उसे लागू करने में संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह तो निर्विवाद है कि मंत्री विभाग का मुखिया होता है इसलिए उसका मंतव्य अंकित होना आवश्यक है। अगर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव का मंतव्य अंकित हो रहा है तो मंत्री का भी अंकित होना चाहिए। यह सही है कि इस व्यवस्था में मुख्यमंत्री एक्सेप्टिंग अथॉरिटी हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मंत्री अपना मंतव्य अंकित नहीं कर सकता। महाराज ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई मुकदमा चलता है तो लोअर कोर्ट, सेशन कोर्ट और हाई कोर्ट इन सब का मंतव्य उसमें आता है बाद में सुप्रीम कोर्ट चाहे जो भी निर्णय ले। इसलिए मेरा कहना है की व्यवस्था की जो एक कड़ी बनी है वह टूटनी नहीं चाहिए। उन्होने कहा कि हाल ही में कैबिनेट बैठक के बाद हुई बैठक में जब सभी मंत्री इस पर अपनी सहमति व्यक्त कर चुके हैं तो इस व्यवस्था को लागू करने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए। यह कोई नई बात नहीं कही जा रही है। यह तो व्यवस्था का एक हिस्सा है।

एसीआर लिखने का यह आशय बिल्कुल नहीं है कि मंत्री अपने अधीनस्थ अधिकारी के विरुद्ध ही कुछ लिखेगा, जो अधिकारी अच्छा काम करेंगे उनके चरित्र प्रविष्टि पर अच्छा ही अंकित किया जाएगा। इसलिए जब सचिव अपने से नीचे के अधिकारियों की एसीआर लिख सकता है तो विभागीय मंत्री उस विभाग का मुखिया होने के नाते अपने नीचे काम कर रहे सचिव की एसीआर क्यों नहीं लिख सकता? अन्य प्रदेशों में मंत्रियों को अपना मंतव्य अंकित करने का अधिकार है। यहां अधिकारियों की एसीआर लिखने के मामले में इसकी व्यावहारिकता की बात करने वालों को इस बारे में मनन करना चाहिए कि हमारे यहां यह व्यवस्था न होने से हम हास्य का पात्र बने हैं।

सरला चौधरी बोल रही हैं - यात्रीगण कृपया ध्यान दें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , रेलवे में सफर के दौरान आपने कई बार खास अनाउंसमेंट सुनी होगी 'यात्रीगण कृपया ध्यान दें...'. इस आवाज को बीते 40 वर्षों से सुना जा रहा है. यह अनाउंसमेंट अब भारतीय रेलवे की पहचान बन चुकी है. इस आवाज से किसी का भी ध्यान खींचा जा सकता है. क्या आपने कभी सोचा है कि यह आवाज किसकी है? कुछ लोगों का मानना है कि यह आवाज कंप्यूटराइज्ड होगी और हर स्टेशन पर यह अलग-अलग होगी. मगर ऐसा नहीं है. रेलवे स्टेशनों पर सुनाई देने वाली यह आवाज सरला चौधरी की है.रेलवे के साथ वे 1982 से जुड़ीं हैं. उस दौरान सरला चौधरी के साथ कई उम्मीदवारों ने अप्लाई किया था. मगर सिलेक्शन केवल सरला चौधरी का हुआ था. शुरुआत में वह अस्थाई तौर पर थीं. मगर उनकी आवाज की ज्यादा डिमांड होने के बाद 1986 में उन्हें स्थाई कर दिया गया.

इस आवाज का आज भी उपयोग होता है

गौरतलब है कि 2015 में अनाउंसमेंट को पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित कर दिया गया. इसके बावजूद रेलवे ने इस आवाज का उपयोग करना जारी रखा. देशभर के रेलवे स्टेशनों पर पहले से रिकॉर्ड उनकी आवाज आज भी गूंजती है. बीच-बीच में नई ट्रेनों के आने से आवाज को जोड़ा जाता है. सरला आज रेलवे के उद्घोषक के पद पर नहीं हैं. मगर उनकी आवाज आज भी काम कर रही है. सरला चौधरी को शुरुआती समय में रेलवे स्टेशनों पर अनाउंसमेंट करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती थी. इन घोषणाओं को कई भाषाओं में रिकॉर्ड किया जाता था. इसके बाद रेलवे ने घोषणा का जिम्मा ट्रेन प्रबंधन प्रणाली को सौंप दिया.

गाडू घड़ा कलश यात्रा पहुँची योग ध्यान बद्री पाण्डुकेश्वर

बैकुण्ठ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया का हुआ शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बद्रीनाथ , 26 , अप्रैल , श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट बन्द होने के उपरान्त शीतकालीन प्रवास हेतु जोशीमठ में प्रवासरत आदिगुरु शंकराचार्य की डोली पूर्ण विधि-विधान एवं पूजा अर्चना के बाद भव्य रुप से सुसज्जित पौराणिक गाडू घड़ा कलश यात्रा के साथ पूर्ण सुरक्षा के बीच योग ध्यान बदरी पाण्डुकेश्वर पहुँच गई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के विषय में मान्यता है कि भगवान बद्रीविशाल जी के महाभिषेक के लिए तिल का तेल प्रयोग करने की परम्परा है, इस तेल को टिहरी राजदरबार में सुहागिन महिलाओं द्वारा विशेष पोशाक पहन कर पिरोने के उपरान्त डिम्मर गाँव के डिमरी आचार्यों द्वारा लाए गए कलश में भर

दिया जाता है जिसे गाडू घड़ा कहते हैं। इसी कलश को श्री बद्रीनाथ पहुँचाने की प्रक्रिया गाडू घड़ा कलश यात्रा कहलाती है। जोशीमठ पहुँचने के उपरान्त आदि गुरु शंकराचार्य की डोली भी इसी यात्रा के साथ योग ध्यान बद्री पाण्डुकेश्वर पहुँचती है। पाण्डुकेश्वर पहँचने के उपरान्त योग ध्यान बद्री में शीतकालीन प्रवास हेतु विराजमान भगवान उद्धव जी एवं भगवान कुबेर जी की डोली, शंकराचार्य जी एवं गाडू घड़ा कलश यात्रा के साथ श्री बद्रीनाथ जी के धाम के लिए पहुँचते हैं।

आसान तरीकों से पा सकते हो काले व घने बाल, बस छोड़ दें ये आदतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 अप्रैल : अनियमित दिनचर्या, ऊट-पटांग खान-पान और केमिकलयुक्त कॉस्मेटिक्स के बढ़ते इस्तेमाल के चलते आजकल लोगों के बाल समय से पहले सफेद होने के साथ झड़ भी रहे हैं और पतले भी हो रहे हैं। ऐसे में तमाम लोग अपने बालों को काला-घना और मजबूत बनाने के लिए तमाम जतन करते नजर आ जाएंगे। क्या आप भी ऐसी ही समस्या से जूझ रहे हैं और कई प्रयोग करने के बावजूद भी मनचाहा परिणाम नहीं मिल रहा, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। इन आसान से उपाय अपनाकर आप भी अपने बाल बेहतर कर सकते हैं। जानिए क्या हैं यह आसान से उपाय- केमिकल बेस्ड शैंपू का इस्तेमाल बिल्कुल बंद कर दें और प्राकृतिक रूप से बालों की सफाई वाली चीज़ों का इस्तेमाल करें।- हीट स्टाइलिंग या ऐसे ही अन्य उपाय जो आपके बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं, उनसे दूरी बना लें।- अपने बालों में आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें इनका रिजल्ट जल्द नजर आता है और लंबे समय तक बना रहता है।

- रोजाना योगाभ्यास करने से भी बालों की ग्रोथ होती है और उनकी क्वालिटी भी सुधरती है। एसेंशियल ऑयल्स से सप्ताह में कम से कम दो बार बालों की अच्छे से मालिश करें।

- स्ट्रेस से दूर रहें, खुश रहें। जो न केवल आपके बालों बल्कि पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।- गुरुत्वाकर्षण बल के कारण हमेशा रक्त का संचार सिर से पैरों की तरफ ज्यादा होता है। तो अपने सिर में ब्लड का सर्कुलेशन तेज करने के लिए पैरों को ऊपर और सिर को नीचे करके उल्टे होने का भी योगाभ्यास करें।

चार धाम की व्यवस्था जांचने खुद सड़क पर उतरे चमोली के डीएम और एसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 26 अप्रैल , चारधाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए सड़कों पर निकले चमोली के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने चारधाम यात्रा हेतु की गयी व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना एवं पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा चारधाम यात्रा सड़क मार्ग का भ्रमण कर यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान यात्रा रुट पर जुटाई गयी आधारभूत सुविधाओं (शौचालय, पानी, मेडिकल, एटीएम, विश्राम गृह आदि) निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यात्रा रुट पर मुख्य पड़ावों व दुर्घटना सम्भावित/संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर सम्बन्धित विभागों को वहां पर व्यवस्थायें दुरस्थ करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी चमोली व पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा चारधाम रुट पर पड़ने वाले पर्यटन पुलिस चौकियों, ड्यूटी प्वाइंट, यात्री पंजीकरण केन्द्र आदि का भौतिक निरीक्षण कर वहाँ पर कर्मचारियों की रहने व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा यात्रा से जुड़े सभी विभागों एवं एजेंसियों को सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के सम्बन्ध में समुचित दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी व अधिकारी मौजूद रहें।

टेक वायरस : जानें फेसबुक क्यों और कैसे देता है यूजर्स को पैसे?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , फेसबुक का उपयोग करने वालों के लिए अच्छी खबर है. कंपनी यूजर्स को पैसे देने की तैयारी कर रही है. हालांकि ऐसा बिल्कुल नहीं है कि ये पैसे सभी को दिए जा रहे हैं. यह पैसे सीमित यूजर्स को दिए जा रहे हैं. ऐसा बताया जा रहा है कि 2007 से दिसंबर 2022 तक फेसबुक का इस्तेमाल करने वाले लोगों को ये पैसे मिलेंगे. ये पैसे सेटलमेंट के तहत दिए जा रहे हैं. कैलिफोर्निया के जज ने इस मामले में सुनवाई करते हुए 72.5 करोड़ डॉलर की राशि सेटलमेंट के तहत तय की है. यह पैसे पैरेंट कंपनी देगी. जज के निर्णय के बाद फाइनल मंजूरी अभी भी बाकि है, इसकी सुनवाई सितंबर में होनी है. यूजर्स अपना क्लेम अभी से जमा कर सकते हैं. हालांकि ये सेटलमेंट केवल अमेरिकी यूजर्स के लिए हैं. फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ये पैसे कैंब्रिज एनालिटिका के मामले में दे रही है.

कैंब्रिज एनालिटिका, डेटा लीक मामले से जुड़ी है. इसके कारण फेसबुक की दुनियाभर में आलोचना हुई थी. इस मामले में फेसबुक ने करोड़ों यूजर्स का डाटा कैंब्रिज एनालिटिका से शेयर किया था. बताया जा रहा है कि इस डेटा का उपयोग अमेरिकी चुनाव में किया गया था. कैंब्रिज एनालिटिका ने वर्ष 2016 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था. हालांकि यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि एक यूजर को कितने पैसे प्राप्त होंगे. ऐसा बताया जा रहा है कि जितने ज्यादा यूजर अप्लाई करेंगे, उतना कम अमाउंट उनके हाथों में आएगा.इसके लिए यूजर्स को एक फॉर्म भी भरना होगा. इसमें सारी डिटेल भरनी होगी. यह पूरी प्रक्रिया 25 अगस्त 2023 तक करनी होगी. गौरतलब है कि फेसबुक डेटा लीक मामले में बीते दिनों काफी आलोचना हुई थी. इस मामले में उपभोक्ताओं ने कंपनी की इस हरकत पर दावा ठोकने की बात की थी. कई लोगों ने इस दौरान अदालत का रुख किया था

बागेश्वर : ड्रीम 11 पर टीम बनाकर सो गया दीपक, सुबह उठा तो बन गया लखपति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 26 अप्रैल : ऑनलाइन क्रिकेट फैंटेसी गेम ने उत्तराखंड के एक और युवा की किस्मत चमका दी। बागेश्वर के छोटे से गांव सिमगड़ी मे रहने वाले दीपक राठौर ने इलेवन सर्किल फैंटेसी लीग पर अपनी टीम बनाकर 52 लाख 50 हजार रुपये जीते हैं। उनकी सफलता की पूरे गांव में चर्चा है। लोग घर पर बधाई देने के लिए पहुंच रहे हैं। दीपक राठौर ने चेन्नई और हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मैच में टीम बनाई थी। वो बताते हैं कि टीम बनाने के बाद वो सो गया था , उसे अंदाजा भी नहीं था कि वो ये कांटेस्ट जीत जाएंगे। सुबह दीपक ने आंखें खोलने के बाद फोन चेक किया तो उनके होश उड़ गए। आईपीएल के एक मुकाबले ने उनकी जिंदगी रातों रात बदल दी थी। दीपक के मोबाइल पर मैसेज आया था, जिसमें उन्हें 52 लाख 50 हजार रुपये जीतने की सूचना दी गई थी। एक बार के लिए तो दीपक को यकीन ही नहीं हुआ। फिलहाल दीपक अपनी सफलता एंजॉय कर रहा हैं। इनाम में मिलने वाली रकम को कैसे खर्च करना है, इसकी प्लानिंग कर रहा हैं। सिमगड़ी गांव में हर कोई दीपक की सफलता से खुश है। लोग उनके परिजनों को बधाई देने के लिए घर पहुंच रहे हैं।

IPL मैचों में ऑनलाइन सट्टा खिलाते पांच छात्र गिरफ्तार

■ 70 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कॉलेज के छात्रो को करते थे अवैध सप्लाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

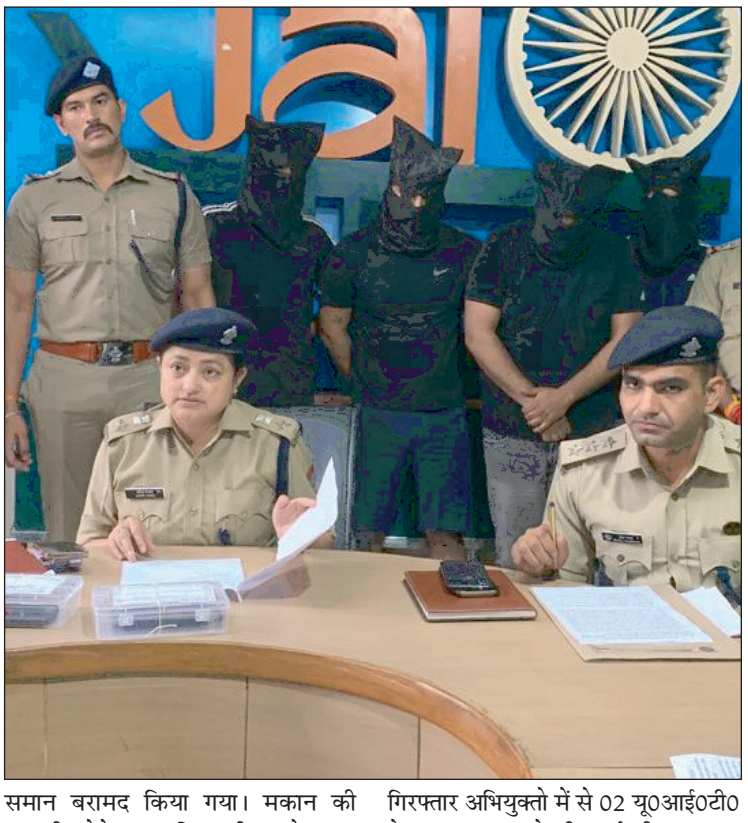

देहरदून , 26 अप्रैल , पुलिस उप-महानिरीक्षक /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जनपद में आईपीएल मैच के दौरान सट्टा लगाने तथा नशीले एवं मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी डालनवाला के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कैंट द्वारा थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया है। गठित पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना दी गयी कि पंडितवाडी क्षेत्र में सद्भावना कुंज के पास एक मकान में कॉलेज के कुछ छात्रो द्वारा आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा है । इस सूचना पर क्षेत्राधिकारी डालनवाला के नेतृत्व में कोतवाली कैन्ट तथा एसओजी देहरादून की संयुक्त टीम द्वारा घर पर दबिश दी गयी तो मौके पर पुलिस टीम को 5 अभियुक्त 1- आदित्य अमन 2- प्रणव कुमार 3-आमिर कुमार 4- सत्यम 5- हर्ष कुमार आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा लगाते हुये मिले, जिनके पास से ऑनलाइन सट्टे में प्रयुक्त किये जा रहे 7 मोबाइल फोन, 14 एटीएम कार्ड, रजिस्टर, रु0 23,000 नगद व अन्य समान बरामद किया गया। मकान की तलाशी लेने पर पुलिस टीम को उक्त अभियुक्तो के पास से 70 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा व चंडीगढ़ मार्का भी बरामद हुयी, जिस पर सभी 05 अभियुक्तो को मौके से गिरफ्तार करते हुये बरामद सामान को पुलिस द्वारा कब्जे में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो में से 02 यू0आई0टी0 प्रेमनगर तथा 02 जे0बी0आई0टी0 सहसपुर के छात्र है। अभियुक्तो के विरुद्ध थाना कैन्ट में जुआ अधिनियम तथा आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है, जिन्हे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

नैनीताल पुलिस, सीसीटीवी के माध्यम से लगातार रख रही है शहर पर नजर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 26 अप्रैल : नैनीताल पुलिस ने फिर साबित किया ₹अतिथि देवो भवः₹ का भाव, ब्रीफकेस बरामद कर भिजवाया पर्यटक के घर समय लगभग 19:00 बजे कानपुर निवासी पर्यटक विक्की गुप्ता हल्द्वानी स्थित CCTV कंट्रोल रूम आये और बताया कि वह अपने साथी संघ नैनीताल घूमने आये थे, वापसी के दौरान हल्द्वानी में गुप्ता जी का सफारी ब्रीफकेस ऑटो में छूट गया, जिसमें जरूरी कागजात एवं कीमती सामान था।इस क्रम में सभी सीसीटीवी स्टाफ द्वारा लगातार फुटेज चेक किया गया। ऑटो का न0 स्पष्ट न होने के कारण काफी मेहनत के बाद CCTV टीम को आखिरकार सफलता प्राप्त हुई एवं पर्यटक गुप्ता जी को सूचित किया गया।

ब्रीफकेस बरामदगी की खबर सुनकर गुप्ता जी फूले नहीं समाए तथा नैनीताल पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया।गुप्ता जी के अनुरोध के अनुसार उक्त बरामद ब्रीफकेस को शताब्दी बस स0- UP78HT 3735 के मैनेजर शुभम शर्मा को सुपुर्द कर, कानपुर भेजा गयानिम्न CCTV स्टाफ, जिनका ब्रीफकेस रिकवर करने एवं कानपुर भेजने में विशेष योगदान रहा1- HC प्रमोद जोशी2- का0 गुलशन गिरी3- का0 रोहित कुमार4- का0 राजेंद्र बिष्ट5- HG महेश उपाध्याय

संपादकीय

लॉजिस्टिक में प्रगति

भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित विभिन्न मानकों में निरंतर बेहतरी हो रही है. विश्वबैंक की लॉजिस्टिक परफॉरमेंस इंडेक्स, 2023 में 139 देशों में भारत 38वें स्थान पर आ गया है. इस सूचकांक में 2014 में भारत 54वें और 2018 में 44वें स्थान पर रहा था. यह सूचकांक तकनीक और लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश के आधार पर तैयार किया जाता है. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अक्टूबर, 2021 में महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री गति शक्ति परियोजना की शुरुआत की थी, जो आवागमन के विभिन्न माध्यमों का राष्ट्रव्यापी विस्तार एवं विकास करने का राष्ट्रीय मास्टर प्लान है. पिछले साल सितंबर में एक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति भी निर्धारित की गयी. यह देश की ऐसी पहली नीति है. लॉजिस्टिक नीति की घोषणा के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह नीति आठ वर्षों के कार्यों का परिणाम है. लॉजिस्टिक में औद्योगिक उत्पादन और वितरण में सहायक सभी चीजें शामिल होती है, जैसे- योजना बनाना, भंडारण करना, कामगारों और अन्य संसाधनों का आवागमन, उत्पादित वस्तु को बाजार तक ले जाना आदि. अभी हमारे सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में लॉजिस्टिक के खर्च की हिस्सेदारी 14 से 18 फीसदी है, जबकि अच्छी अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा आठ प्रतिशत के आसपास होता है. ऐसा होने का मुख्य कारण देश में हाल तक किसी तरह की लॉजिस्टिक नीति का नहीं होना रहा है. अब अगर हम लॉजिस्टिक नीति के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित कर दें, तो 2030 में हम दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के स्तर पर आ सकते हैं. इस नीति का दूसरा लक्ष्य लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में भारत को शीर्ष के 25 देशों में शामिल करना है. आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं. सरकार की प्राथमिकता में लॉजिस्टिक कितना महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान केवल इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पूर्वोत्तर में बड़े पैमाने पर रेल और सड़क मार्ग के नेटवर्क का विस्तार हो रहा है.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

निर्माण कार्यों हेतु बार-बार सड़क न खोदी जाए : झरना कमठान, CDO

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अप्रैल जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशों पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं परामर्शीय समिति (डिस्ट्रिक्ट लेवल मॉनिटरिंग एण्ड एडवाईजरी कमेटी) डीएलएमएसी की बैठक करते हुए कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी आपसी समन्वय से प्रस्तावित कार्यों को योजनावार करें, निर्माण कार्यों हेतु बार-बार सड़क न खोदी जाए। साथ ही निर्देश दिए कि क्षेत्र में कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व स्थानीय जनमानस को सूचित कर दिया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान जनमानस की सुरक्षा एवं किसी प्रकार की असुविधा न हो इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। यदि निर्माण कार्यों से जनमानस की कोई शिकायतें हो तो उनका त्वरित निस्तारण किया जाए।

निर्माण कार्यों हेतु खोदी गई सड़क को कार्य पूर्ण करते ही तत्काल ठीक कर दिया जाए तथा चरणबद्ध ढंग से कार्य करें। बैठक में उत्तराखण्ड अर्बन सैक्टर डेवलपमेंट एजेंसी से प्रोजैक्ट मैनेजर जतिन सिंह, संजय तिवारी, विपिन तिवारी, अमित सैनी, अधि0 अभि0 सिंचाई राजेश लांबा, पेयजल निगम दीपक नौटियाल, नगर निगम से जेपी रतूड़ी सहित सम्बन्धित कार्यदायी संस्थओं के अधिकारी उपस्थित थे।

दिनेश मोहनिया की छुट्टी बरिंदर गोयल बने आप के उत्तराखंड प्रभारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ रोहित मेहरोलिया आप के सह प्रभारी बने, महामंत्री संदीप पाठक ने पत्र जारी कर की अधिकारिक घोषणा

देहरादून , 26 अप्रैल , आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उत्तराखंड प्रभार में फेरबदल करते हुए उत्तराखंड को नए प्रभारी और सह प्रभारी दिए हैं ।अधिक जानकारी देते हुए आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने बताया की राष्ट्रीय महामंत्री संदीप पाठक ने एक पत्र जारी कर बरिंदर कुमार गोयल जो कि संगरूर जिले के लहर सीट से विधायक हैं और जिन्होंने पंजाब की पूर्व कांग्रेसी सीएम राजिंदर कौर भट्ठल और अकाली दल के पूर्व मंत्री गोविंद सिंह को हराकर लहर की सीट जीती है को उत्तराखंड की कमान सौपी है एवं रोहित मेहरोलिया जोकि त्रिलोकपुरी विधान सभा दिल्ली से विधायक हैं को सह प्रभारी बनाया गया है । अंदरखाने चर्चा है कि बीते विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के

बाद ये बड़ा उलटफेर हुआ है वहीँ आम आदमी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा एकाएक परिवर्तन से राजनीतिक गलियारों में माहौल गरमा गया है ।

देहरादून : शराब परोसने वालों पर चला रायपुर पुलिस का डंडा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 अप्रैल : शराब परोसने वाले होटल/ रेस्टोरेंट मालिको के विरुद्ध रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 06 होटल/ रेस्टोरेंट मालिकों को आबकारी अधिनियम में किया गिरफ्तार, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 26 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान कर वसूला गया ₹8000 का जुर्माना। पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में शराब परोसने वाले होटल/ रेस्टोरेंट के मालिको/ संचालकों, सार्वजनिक स्थलो में शराब पीने वालों, हुड़दंग/उपद्रव/शांति व्यवस्था भंग कर माहौल खराब करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है, साथ ही थाना स्तर पर हुड़दंगियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। पुलिस द्वारा दिये गए आदेशो के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी रायपुर के मार्गदर्शन व पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस द्वारा थाना

क्षेत्रों में शराब परोसने वाले होटल/ रेस्टोरेंट मालिको/ संचालकों, सार्वजनिक स्थलो में शराब पीने वालों व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा स्वयं के नेतृत्व में चार अलग- अलग टीमें गठित की। गठित पुलिस टीमों द्वारा मालदेवता, चुना भट्टा, सोडा सरोली थाना रोड, रिंग रोड तथा मयूर विहार क्षेत्र में अभियान चलाकर सभी होटल/ रेस्टोरेंट में चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा 06 होटल/ रेस्टोरेंट मालिकों को बिना लाइसेंस परमिट के शराब पिलाने पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। सभी 06 मालिकों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किए गए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों होटल रेस्टोरेंट में शराब पीने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 26 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान कर ₹8000 जुर्माना वसूला गया। पुलिस उप महानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा अभियान निरंतर जारी है।

जानें क्यों, कब, कहां और कैसे होता है जीरो शैडो डे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

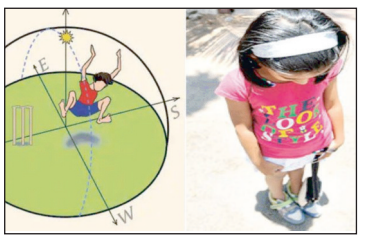

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 अप्रैल , बेंगलुरु में मंगलवार को 'जीरो शैडो डे' मनाया गया है। जीरो शैडो डे एक खगोलीय घटना है जो बेंगलुरु सहित दुनिया के कुछ हिस्सों में साल में दो बार होती है। इन दिनों, स्थानीय सौर दोपहर में सूर्य बिल्कुल सिर के ऊपर होता है, और परिणामस्वरूप, जमीन पर मौजूद वस्तुओं की कोई छाया नहीं पड़ती है।बेंगलुरु में जीरो शैडो डे 25 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर मनाया गया । इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) अपने कोरमंगला परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया है। आईआईए ने इसके पहले ट्वीट किया था जिसमें लिखा था कि 'आइए 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक हमारे कोरमंगला परिसर में जीरो शैडो डे #ZSD मनाएं। सूर्य 12:17 बजे सीधे सिर के ऊपर होगा।'एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अनुसार, आकाशीय घटना भूमध्य रेखा के पास होती है जो मकर रेखा और कर्क रेखा के बीच आती है। बेंगलुरु में मंगलवार को सूर्य ठीक सिर के ऊपर होगा।यह खगोलीय घटना साल में दो बार होती है और सभी लंबवत वस्तुएं जमीन पर छाया डालना बंद कर देती हैं।

अगली ऐसी खगोलीय घटना 18 अगस्त को बेंगलुरु में होगी। आईआईए ने अपने बयान में कहा, 'शून्य छाया दिवस तब होता है जब दोपहर के समय सूर्य सीधे सिर के ऊपर होता है, और इसलिए कोई भी लंबवत वस्तु कोई छाया नहीं डालती है। यह कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच के स्थानों के लिए होता है।

सैटलाइट सिटी की मांग लेकर कांग्रेस डेलिगेशन मिला वीसी एमडीडीए से, सौंपा ज्ञापन

- आवासीय क्षेत्रों में भु ऊपयोग व्यावसायिक करने का विरोध
- आपत्तियों व सुझावों के लिए दो महीने का समय बढ़ाएं- धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 अप्रैल , राजधानी देहरादून के लिए एमडीडीए द्वारा प्रस्तावित देहरादून मास्टर प्लान 2041 के संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल एआईसीसी के सदस्य व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना के नेतृत्व में एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी से उनके कार्यालय में मिला व प्रस्तावित मास्टर प्लान के संबंध में सुझावों व आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से दो माह आगे बढ़ाने समेत अन्य विषयों पर चर्चा की।

धस्माना ने उपाध्यक्ष से कहा कि एमडीडीए के बारे में देहरादून के जन मानस में अच्छी छवि नही है क्योंकि अपने अस्तित्व में आने से लेकर अब तक प्राधिकरण ने देहरादून के नियोजित विकास में जो भूमिका निभानी चाहिए थी वह नहीं निभाई और इसीलिए अब नए प्रस्तावित मास्टर प्लान 2041 के बारे में जनता के मन में बहुत सारी आशंकाएं हैं। श्री धस्माना ने कहा की आपके कार्यालय द्वारा दिनांक एक अप्रैल 2023 को जारी एक विज्ञापन विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ। इस विज्ञापन के माध्यम से आपने जनता से अपेक्षा की है कि एमडीडीए के प्रस्तावित देहरादून मास्टर प्लान 2041 के संबंध में सुझाव व आपत्तियां प्रस्तुत करें। इस प्रस्तावित देहरादून मास्टर प्लान के संबंध में सबसे पहली बात तो हम यह कहना चाहते हैं कि देहरादून में एमडीडीए के अस्तित्व में आने के बाद इस प्राधिकरण के गठन के मुख्य उद्देश्य पर कभी काम हुआ ही नहीं। व्यवस्थित शहर के रूप में देहरादून के विकास के लिए कभी भी मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने काम नहीं किया। बल्कि अपने गठन से लेकर अब तक लगभग चार दशकों में देहरादून के विकास में एमडीडीए की भूमिका मुख्यतः एक नक्शे(आवासीय अथवा व्यावसायिक) पर मोहर लगा कर फीस वसूलने वाली एजेंसी के रूप में रही। उन्होंने कहा कि दूसरा प्राधिकरण की अदूरदर्शिता व खराब योजनाओं के चलते देहरादून का बेतरतीब विकास आज देहरादून के खस्ताहाल होने का बड़ा कारण है।

उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि एक अप्रैल को आपके विभाग के द्वारा जारी विज्ञापन में देहरादून मास्टर प्लान2041 के संबंध में मांगी गई आपत्तियों व सुझावों के संबंध में देहरादून महानगर की अनेक कालोनियों के संगठनों व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने मुझसे संपर्क किया जो अपने सुझाव व आपत्तियां प्राधिकरण को देना चाहते हैं, आगामी 18-20 वर्षों के लिए आपकी प्रस्तावित योजना के बारे में उल्लेखित बिंदुओं को पढ़ने समझने व उन पर सुझाव या आपत्ति देने के लिए जो समय तय किया गया है वह निश्चित रूप से अपर्याप्त है,इसलिए आपत्तियों के लिए समय को दो माह के लिए बढ़ाया जाय व प्राधिकरण इसके लिए ऑनलाइन सुझाव भी स्वीकार करे और उसके लिए कोई आधिकारिक ईमेल भी जारी किया जाय। धस्माना ने कहा कि देहरादून की अधिकांश आवासीय कालोनियों की आरडब्ल्यूए आवासीय क्षेत्रों में बड़ी व्यावसायिक व अन्य गैर आवासीय गतिविधियों के खिलाफ हैं। राजपुर रोड में मसूरी डाइवर्जन से डाकपट्टी राजपुर व ओल्ड मसूरी रोड पर स्थित अधिकांश आवासीय कालोनियों , जीएमएस रोड के दोनों ओर बसी आवासीय कालोनियों, चकराता रोड बिंदाल से पण्डितवाड़ी तक दोनों ओर की कालोनियों में भीतरी इलाकों में गैर आवासीय गतिविधियों के विरुद्ध आम नागरिकों की राय है।उन्होंने वीसी से कहा कि हमारी मांग है कि देहरादून मास्टर प्लान 2041 पर व्यापक विचार विमर्श व जनता की रायशुमारी होनी चाहिए। देहरादून के पुराने शहरी इलाकों में आबादी का दबाव जिस प्रकार से पिछले ढाई दशकों में बड़ा है उससे नागरिक सुविधाएं जैसे कि सड़कें,पार्किंग,पानी,बिजली आदि आबादी के अनुपात में काफी सिकुड़ गयी हैं और अब शहर इससे ज्यादा आबादी व निर्माण का भार वहन करने की क्षमता नहीं रखता। पुराने शहर से अतिरिक्त बाहरी इलाके में नया सैटलाइट शहर बसाने की अत्यंत आवश्यकता है जिस पर इस मास्टर प्लान में प्रस्ताव होना चाहिए।

महनागर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि एमडीडीए को प्रस्तावित मास्टर प्लान के बारे में देहरादून की सभी राजनैतिक दलों की सर्वदलीय बैठक व इसके साथ ही देहरादून के सामाजिक व व्यावसायिक संगठनों व्यापार मंडलों , ट्रांसपोर्टरों व विभिन्न सक्रिय संगठनों की बैठकें बुला कर व्यापक विचार विमर्श करना चाहिए।एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने धस्माना व प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे उनके द्वारा ज्ञापन में उल्लेखित बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करेंगे।

उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान जनता के लिए बन रहा है इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों के सुझाव आएं इसके लिए समय भी बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो मास्टर प्लान पर अपने सुझाव या आपत्तियां दाखिल करना चाहे तो लिखित रूप में या ऑनलाइन प्राधिकरण को भेज सकते हैं। उन्होंने सैटलाइट सिटी के सुझाव को उपयोगी व सार्थक बताया। वीसी से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में सूर्यकांत धस्माना के साथ महनागर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव कमर सिद्दीकी, पार्षद मुकीम अहमद,अभिषेक तिवारी, विक्रांत राठी,प्रमोद कुमार गुप्ता, प्रवीण सिंह कश्यप , अनीस अंसारी साथ रहे।